विश्वविद्यालय के संदर्भ में

मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका अपरिहार्य है। मनुष्य के जीवन में आने वाली बाधाऐं, उसकी शैक्षिक पिपासा को सीमित न कर सके एवं मनुष्य की शैक्षिक उन्नति सदैव बनी रहे इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति की महती भूमिका है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, भारत का 11वाँ राज्य मुक्त विश्वविद्यालय है इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ शासन अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा की गयी है। यह अधिनियम 20 जनवरी 2005 में लागू हुआ। विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, समाज सुधारक एवं छत्तीसगढ़ के गाँधी के रुप में विख्यात पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी की स्मृति को आलोकित कर रहा है।

विश्वविद्यालय 'स्वाध्यायः परम् तपः' के ध्येय वाक्य के साथ ' उच्च शिक्षा आपके द्वार' मूल वाक्य को चरितार्थ करते हुए छात्र हित एवं विकास की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 06 क्षेत्रीय तथा एक उप क्षेत्रीय केन्द्र एवं 136 अध्ययन-केन्द्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर बिलासपुर लगभग 71 एकड़ में फैला हुआ है।

वेबीनार के विषय में

पिछले कुछ दशकों से जल संकट दुनिया भर में बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। इन दिनों जल-संरक्षण शोध-छात्राओं के लिए मुख्य विषय बना हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य भी इससे अछूता नहीं है। आधारभूत पंचतत्त्वों में से जल हमारे जीवन का आधार एवं संपूर्ण जीव-जगत् का आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। जल ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसकी महत्ता इसी से परिलक्षित होती है कि बड़ी सभ्यताएँ एवं प्राचीन नगर नदियों के तट पर ही विकसित हुए है। यद्यपि पृथ्वी के 70 प्रतिशत क्षेत्र में जल है, उसमें से केवल 2.5 प्रतिशत ही पीने योग्य मीठे जल के स्त्रोत है। इसी मीठे जल स्त्रोतों पर पूरे विश्व पटल का जीवन निर्भर करता है, जो पूरे विश्व में सभी समुदायों के बीच विभाजित एवं फैला हुआ है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सभी विकसित एवं विकासशील देश तेजी से बढ़ती शहरीकरण की समस्या से जुझ रहे है, जिनके परिणामस्वरूप दो तरह की समस्याएँ जन्म ले रही है -

(1) जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन

(2) जल-संसाधनों का प्रदुषण

वहीं दूसरी ओर दिन-प्रतिदिन जल की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है। शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के अनियंत्रित तरीके से विकसित होने के कारण तथा ग्रामीणों के शहर की ओर पलायन करने से शहर की जनसंख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे जल-संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है एवं प्रतिव्यक्ति जल-संसाधनों की उपलब्धता में दिन-प्रतिदिन कमी आ रही है।

जलवायु परिवर्तन के कारण संपूर्ण देश बाढ़ और सूखे की समस्या से ग्रसित है। भू-जल के अत्यधिक दोहन के कारण नदियों के प्रवाह में कमी तथा जल-संसाधनों के स्तर में कमी हो रही है। नहरों से अत्यधिक सिंचाई के कारण जल-ग्रसनता एवं लवणता की समस्या पैदा हो चुकी है। जल की उपादेयता को ध्यान में रखकर यह अत्यंत आवश्यक है कि हम न सिर्फ जल का सरंक्षण करे बल्कि उसे प्रदूषित होने से बचाएँ।

आने वाले समय में पीने-योग्य जल की कमी सबसे महत्त्वपूर्ण संकट के रूप में उभर रही है। दुनिया के जल-निकायों में अधिकांशतः प्रदूषित है, भू-मण्डल में उपयोग करने योग्य ताजे जल का लगभग 97 प्रतिशत भू-जल के रुप में संग्रहित किया जाता है।

एक दिवसीय वेबीनार से जल की उपयोगिता, संरक्षण और रि-साईक्लिंग के संबंध में पर्याप्त ज्ञान और जागरुकता का विश्वास है।

वेबीनार का विषयवस्तु

जल संरक्षण
(Water Conservation)

जल-सुरक्षा एवं शासन की योजनाएँ
(Water Security and Government Planning)

जल चक्रीयकरण एवं पुनःउपयोग
(Water re-cycling and re-use)

वाटरसेड द्वारा भू-जल प्रबंधन
(Watershed and ground water management)

जल गुणवत्ता एवं शोधन
(Water Quality and treatments)

सम्माननीय विशिष्ट वक्तागण

डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
हेमचन्द्र यादव, विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

श्री के. पाण्डिहरी
जल संरक्षण विशेषज्ञ
रायपुर (छ.ग.)

डॉ. डी.पी.कुट्टी
सेवानिवृत्त, प्राध्यापक
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

वेबीनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

आयोजन समिति

संरक्षक
प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

सह-संरक्षक
डॉ. (श्रीमती) इंदू अनंत, कुलसचिव
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

संयोजक
डॉ. अनिता सिंह, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
Mob.: 98271-18808
email : 31anitasingh@gmail.com

श्री रेशमलाल प्रधान, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग
Mob. : 70243-83191
email : reshamlalpradhan6602@gmail.com

सदस्य
डॉ शोभित बाजपेयी - 9425230007
डॉ. बीना सिंह - 9425564509
डॉ. प्रकृति जेम्स - 9993450848
डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति - 9229703055
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा - 7587365320
डॉ. संजीव कुमार लवानियॉ - 8476985418
डॉ. एस.रूपेन्द्र राव - 8817956122
डॉ. पुष्कर दुबे - 9938973044
डॉ. पी.एस.चौधरी - 7415011290
डॉ. राजेश्वर सिंह - 7987212235

एक दिवसीय

वेबीनार

दिनांक - 21 अक्टूबर, 2021
समय -12:00 से 02:30 अपरान्ह

जल संरक्षण

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
बिलासपुर

www.pssou.ac.in